

आबादी स्त्री. (फा.) 1. जनसंख्या, मर्दुमशुमारी 2. बस्ती 3. वह भूमि जिस पर खेती होती हो।

आबाध पुं. (तत्.) 1. पीड़ा, कष्ट 2. क्षति 3. छेड़छाड़।

आबाधा स्त्री. (तत्.) 1. चिंतित करने वाली बात 2. कष्ट 3. हानि।

आबालवृद्ध क्रि.वि. (तत्.) [आ+बाल+वृद्ध] बाल से लेकर वृद्ध तक, बच्चों से लेकर बूढ़ों तक।

आबिल पुं. (तत्.) 1. पंकिल, गंदा 2. तोड़ने वाला, भंग करने वाला, साफ़ करने वाला।

आबी वि. (फा.) 1. पानी का, पानी संबंधी 2. पानी में रहनेवाला 3. जल-तट निवासी 4. फीका, हल्का 5. पानी के रंग का 6. हल्का नीला पुं. 1. नमक जो सूर्य की गर्मी से पानी के उड़ने पर बनता है, लवण, साँभर नमक 2. एक प्रकार का अंगूर। 3. सिंचाई वाली भूमि।

आबेहयात पुं. (फा.) हयात अर्थात् जीवन देने वाला आब अर्थात् जल, अमृत ।

आबोदाना पुं. (फा.) [आब+ओ+दाना] जीवन यापन के लिए प्राप्त अन्न और जल, खाना-पीना।

आब्द पुं. (तत्.) 1. बादल से उत्पन्न या संबद्ध 2. वर्षा से संबद्ध।

आब्दिक पुं. (तत्.) वार्षिक, सालाना।

आब्दिकी स्त्री. (तत्.) दे. वार्षिकी

आभ स्त्री. (तत्.) चमक, कांति, आभा।

आभइना स.क्रि. (देश.) 1. स्पर्श करना, छूना 2. व्याप्त होना 3. टक्कर लेना, भिड़ना 4. गले मिलना।

आभरण पुं. (तत्.) 1. गहना, भूषण, आभूषण, जेवर 2. पोषण, परवरिश।

आभरित वि. (तत्.) 1. सजाया हुआ, आभूषित, अलंकृत 2. पोषित।

आभा स्त्री. (तत्.) 1. चमक, दमक, कांति, दीप्ति, द्युति, प्रभा 2. झलक 3. प्रतिबिंब, आभास, छाया 4. प्रतीति।

आभाणक पुं. (तत्.) कहावत, लोकोक्ति।

आभात वि. (तत्.) चमकता हुआ, कांतिपूर्ण पुं. दृश्य।

आभारी पुं. (तत्.) 1. एहसान, कृतज्ञता 2. बोझ 3. प्रबंध की जिम्मेदारी 4. एक वर्णवृत्त जो आठ तगण का होता है।

आभारी वि. (तत्.) आभार मानने वाला, एहसानमंद, कृतज्ञ, उपकृत।

आभाष पुं. (तत्.) 1. संबोधित करने की क्रिया 2. परिचय, भूमिका 3. भाषण, कथन।

आभास पुं. (तत्.) 1. प्रतीति 2. सादृश्य 3. प्रतिबिंब, छाया, झलक 4. पता, संकेत प्रयो. सहानुभूति के द्वारा ही ऐसी मर्मवेदना का किंचित् आभास पाया जा सकता है (बाणभट्ट की आत्मकथा)।

आभासन पुं. (तत्.) स्पष्ट करना, आभासित करना या होना; आलोकित करना या होना, प्रकाशित करना या होना।

आभासना अ.क्रि. (तद्.) प्रतिभासित होना, आभास में आना, संकल्पना में प्रकट होना।

आभासवाद पुं. (तत्.) संपूर्ण जगत् चेतना का आभास, यानी उसकी परछाई मात्र है यह सिद्धांत।

आभास शब्द पुं. (तत्.) ऐसा शब्द जो मुद्रण अथवा अन्य किसी भूलचूक के कारण चल पड़ा हो। मिथ्या शब्द ('श्राप' एक मिथ्या शब्द है। वास्तविक शब्द है 'शाप')।

आभासित वि. (तत्.) जिस का मात्र आभास होता हो। वास्तव में वह कुछ और होता है। (रस्सी देख कर साँप का आभास)।

आभासी पुं. (तत्.) जो वास्तविक प्रतीत हो परंतु यथार्थतः सत्य अथवा वास्तविक न हो।

आभासी समय पुं. (तत्.+तद्.) धूप घड़ी द्वारा देखा जाने वाला समय, समय की सूचना देने वाली धूप घड़ी।